बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -12-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज फूल और कांटा नामक कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।

शब्दार्थ

कुल -- खानदान

वर -- सुन्दर

वसन --- वस्त्र

मेह ----- वर्षा

बड़प्पन - महत्व ,गौरव

जगह - स्थान

ढंग --- आदत

अनूठा - अद्भुत

कसर -- कमी

तन -- शरीर

अभ्यास

1. लघु उत्तरीय प्रश्न:

(क) फूल की विशेषताएँ क्या हैं?

(ख) काँटों के क्या-क्या अवगुण हैं?

(ग) बड़प्पन पाने का अधिकारी कौन होता है?

2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

(क) फूल और काँटों के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ख) इस कविता की कौन-सी पंक्तियाँ आपको अच्छी लगीं और क्यों?

(ग) नीचे लिखी पंक्तियों के मुख्य भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(अ) मेह उन पर है बरसता एक-सा,

एक-सी उन पर हवाएँ हैं बहीं।

(आ) निज सुगंधों औ, निराले ढंग से,

है सदा देता कली जी की खिला।

3. मुहावरा को वाक्य में प्रयोग करें।

आँख में खटकना ----------

जी की कली खिला देना ----------

बड़प्पन की कसर होना ----------